शहद शिकारी

अफ्रीकी लोककथा

शहद शिकारी

अफ्रीकी लोककथा

पुराने ज़माने में जंगल के सभी जानवर एक-दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त थे. और उन सभी को शहद से बहुत प्यार था. एक छोटी चिड़िया, शहद गाइड थी और उसे शहद खोजने की सबसे अच्छी जगहें पता थीं.

"चेका, चे! चेका, चेका! चे!" वो चिड़िया चिल्लाई. "यदि तुम्हें शहद चाहिए, तो मेरे पीछे आओ!"
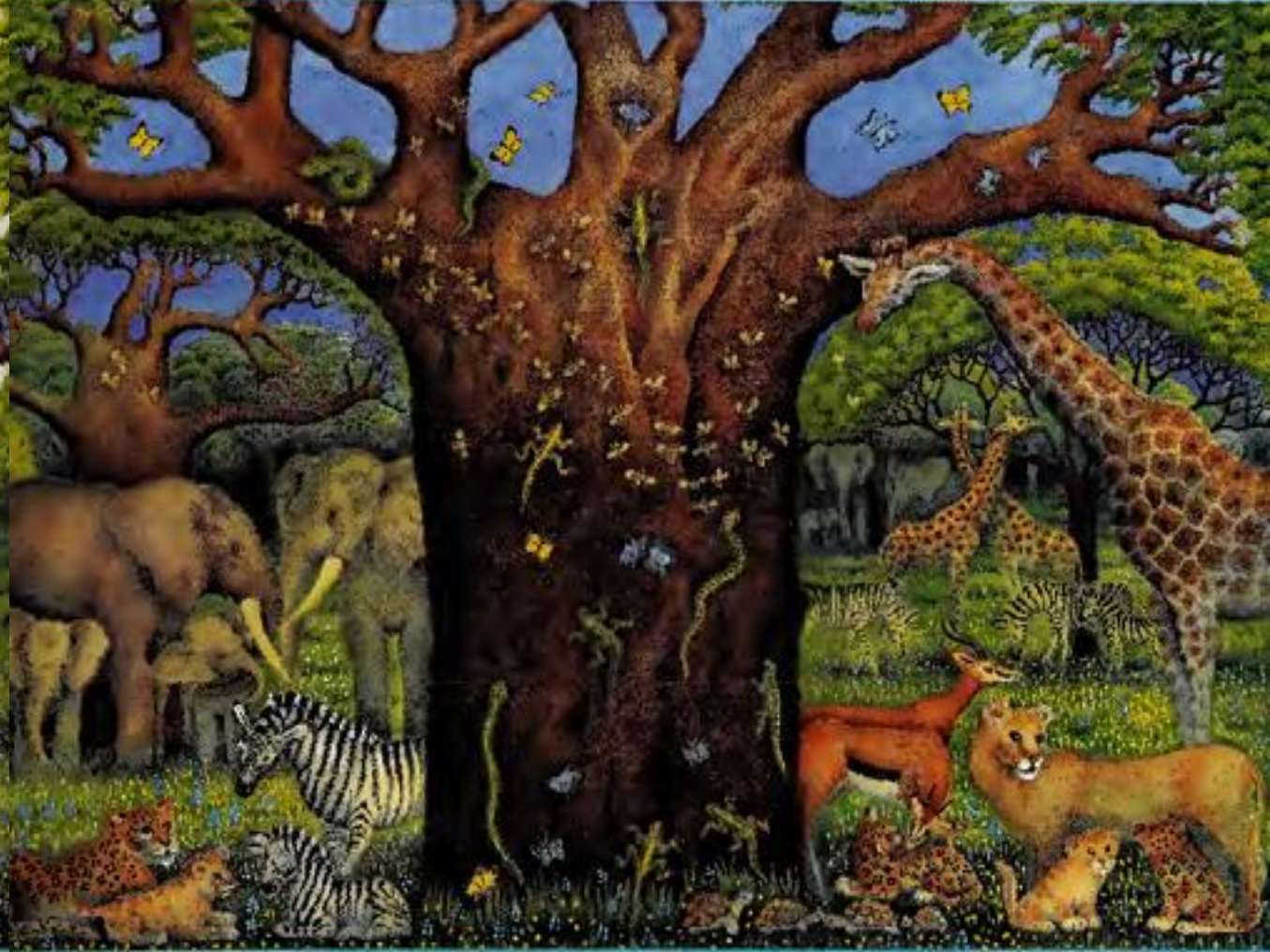
एक दिन एक लड़का झील के किनारे-किनारे जा रहा था. उसने उस शहद गाइड का गीत सुना.

"मुझे शहद बेहद पसंद है," उसने कहा. "मैं तुम्हारे पीछे-पीछे चलूँगा."

और उसके बाद वो लड़का और शहद गाइड जंगल में आगे बढ़े.

जल्द ही वे एक मुर्गे से मिले.

"चेका, चे! चेका, चेका! चे!" शहद गाइड ने गाया. "अगर तुम्हें शहद चाहिए, तो मेरे पीछे आओ!"

"मुझे कुछ शहद ज़रूर चाहिए," मुर्गे ने अपनी पूंछ के पंख फड़फड़ाते हुए कहा. "मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा."

और फिर मुर्गा भी लड़के और शहद की चिड़िया के पीछे-पीछे झाड़ियों की ओर चला.

वे कुछ दूर ही गए थे जब उन्हें एक बिल्ली दिखी.

"चे, चे! चेका, चेका, चे!" शहद गाइड चिड़िया ने गाया. "अगर तुम शहद चाहती हो मेरे पीछे आओ!"

"मुझे शहद बहुत पसंद है," बिल्ली ने पेड़ से कूदते हुए कहा. "मैं ज़रूर तुम्हारा पीछा करूंगी."

फिर शहद गाइड चिड़िया, लड़का, मुर्गा और बिल्ली एक-साथ जंगल में आगे बढ़े.
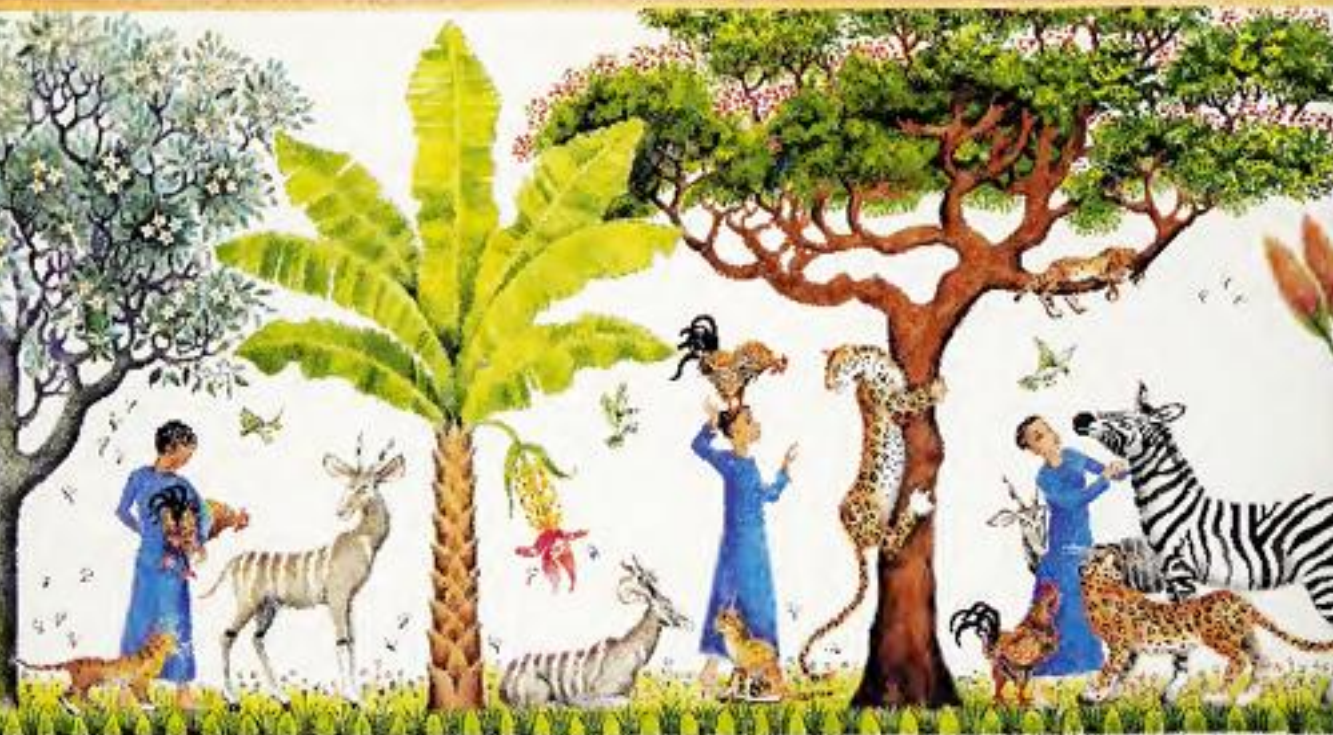
तब तक और वे एक
हिरन से मिले.....

और फिर एक
तेंदुए से.....

और फिर एक
ज़ेबरा से .....

और फिर एक
शेर से.....

"चे, चे! चेका, चेका, चे!" शहद गाइड चिड़िया ने प्रत्येक जानवर के लिए अपना गीत गाया.

"यदि आप लोग शहद चाहते हैं, तो मेरे पीछे-पीछे आएं!"

फिर हिरन, तेंदुआ, ज़ेबरा और शेर, लड़का, मुर्गा और बिल्ली भी कारवां में शामिल होकर जंगल में आगे बढ़ने लगे.

जल्द ही जानवर एक हाथी से मिले. "तुम सब कहाँ जा रहे हो, मेरे दोस्तों?" उसने पूछा.

"हम लोग कुछ शहद खोजने जा रहे हैं," लड़के ने जवाब दिया.

"चे, चे! चेका, चक्का, चे!" शहद गाइड ने अपना गीत गाया. "यदि आप शहद चाहते हैं, तो आप भी मेरे पीछे चलें!"
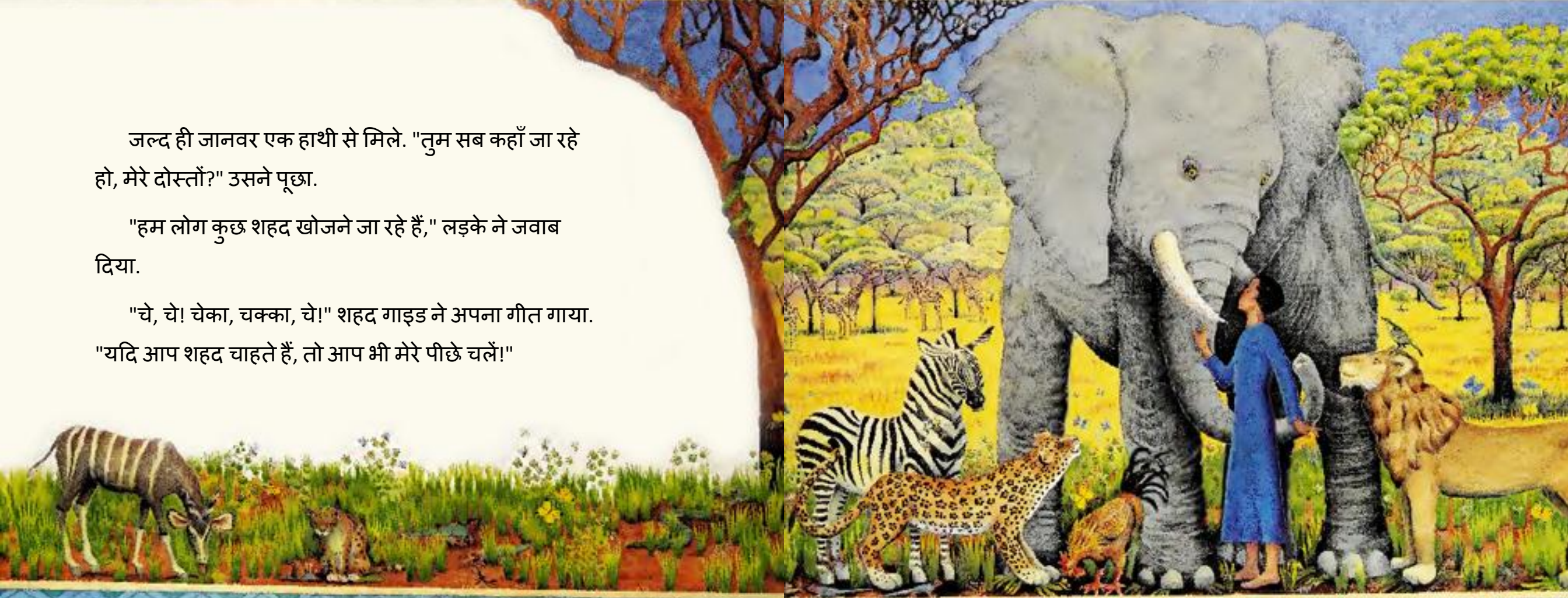
उसके बाद शहद तलाश करने वाले जानवरों के जुलूस में हाथी भी शामिल हो गया.
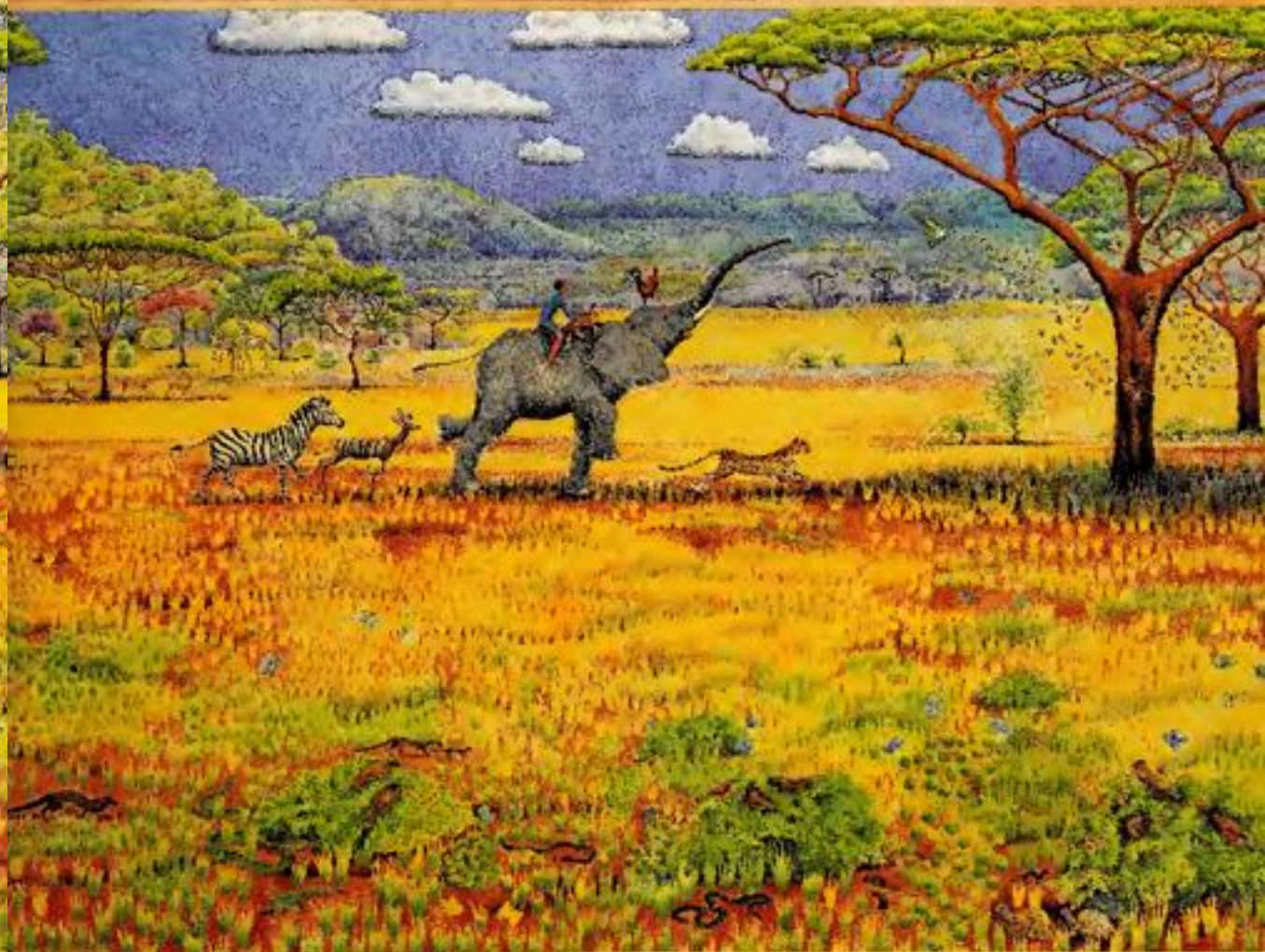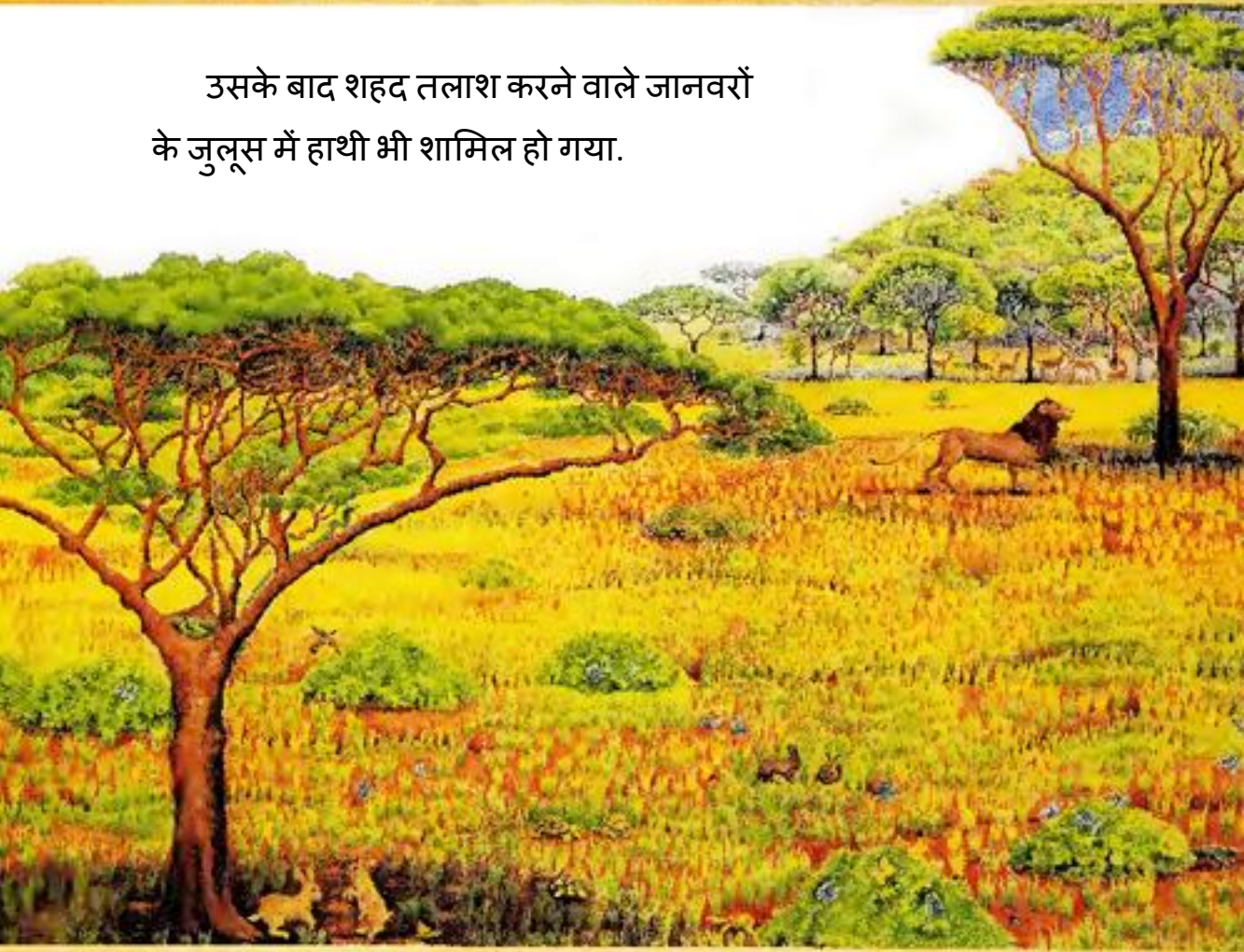
थोड़ी देर बाद शहद गाइड चिड़िया रुक गई.

"चे, चे! चेका, चेका, चे!" उसने फिर से गाया. "यदि आप शहद चाहते हैं, तो ज़रा इस पेड़ को देखें!"

फिर लड़के ने मधुमक्खियों के घोंसले से एक सुंदर छत्ता निकाला और उसे चार टुकड़ों में तोड़ा. पहला टुकड़ा उसने मुर्गे और बिल्ली को दिया. दूसरा उसने हिरन और तेंदुए को दिया. तीसरा उसने ज़ेबरा और शेर को दिया. और चौथा उसने अपने और हाथी के लिए रखा. फिर सभी जानवर शहद खाने लगे.
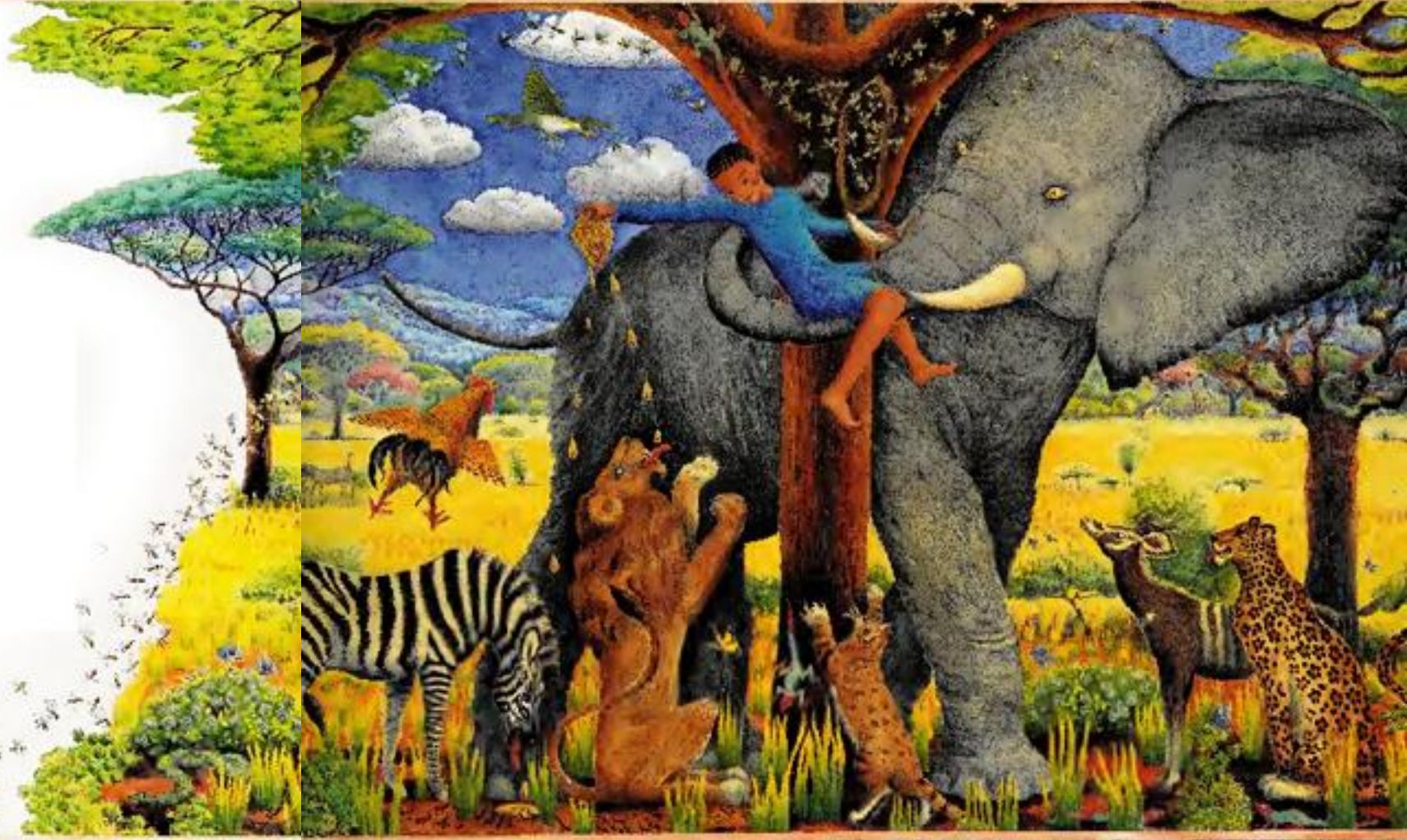
मुर्गे ने शहद के छत्ते का अपना सिरा कुतरा और बिल्ली ने अपना छोर चाटा. फिर बिल्ली ने मुगे पर थूका और मुगे ने बिल्ली को खरोंचा.

हिरन ने छत्ते के अपने सिरे को कुतरा और तेंदुए ने अपना सिरा खाया. फिर तेंदुए ने मृग को अपने पंजा मारा और हिरन ने तेंदुए को दुलत्ती मारी.

ज़ेबरा ने मधुकोश का अपना अंत चबाया और शेर ने एक बड़ा हिस्सा काटा. फिर शेर ने ज़ेबरा पर छलांग लगाई और ज़ेबरा ने अपने नुकीले दाँतों से शेर को काटा.

हाथी ने लड़के के हाथों से शहद के छत्ते को छीन लिया और वो उसे पूरा निगल गया. लड़का उन लड़ते-झगड़ते जानवरों को विस्मय से सिर्फ घूरता ही रहा.

"रुको!" लड़का ज़ोर से चिल्लाया. "लड़ाई मत करो! आपने पहले कभी भी एक-दूसरे के साथ झगड़ा नहीं किया है!"

लेकिन जानवरों ने उस लड़के की बात को सुनने से इनकार कर दिया. हताशा होकर लड़के ने एक छड़ी उठाई और वो उन्हें मारने के लिए दौड़ा.
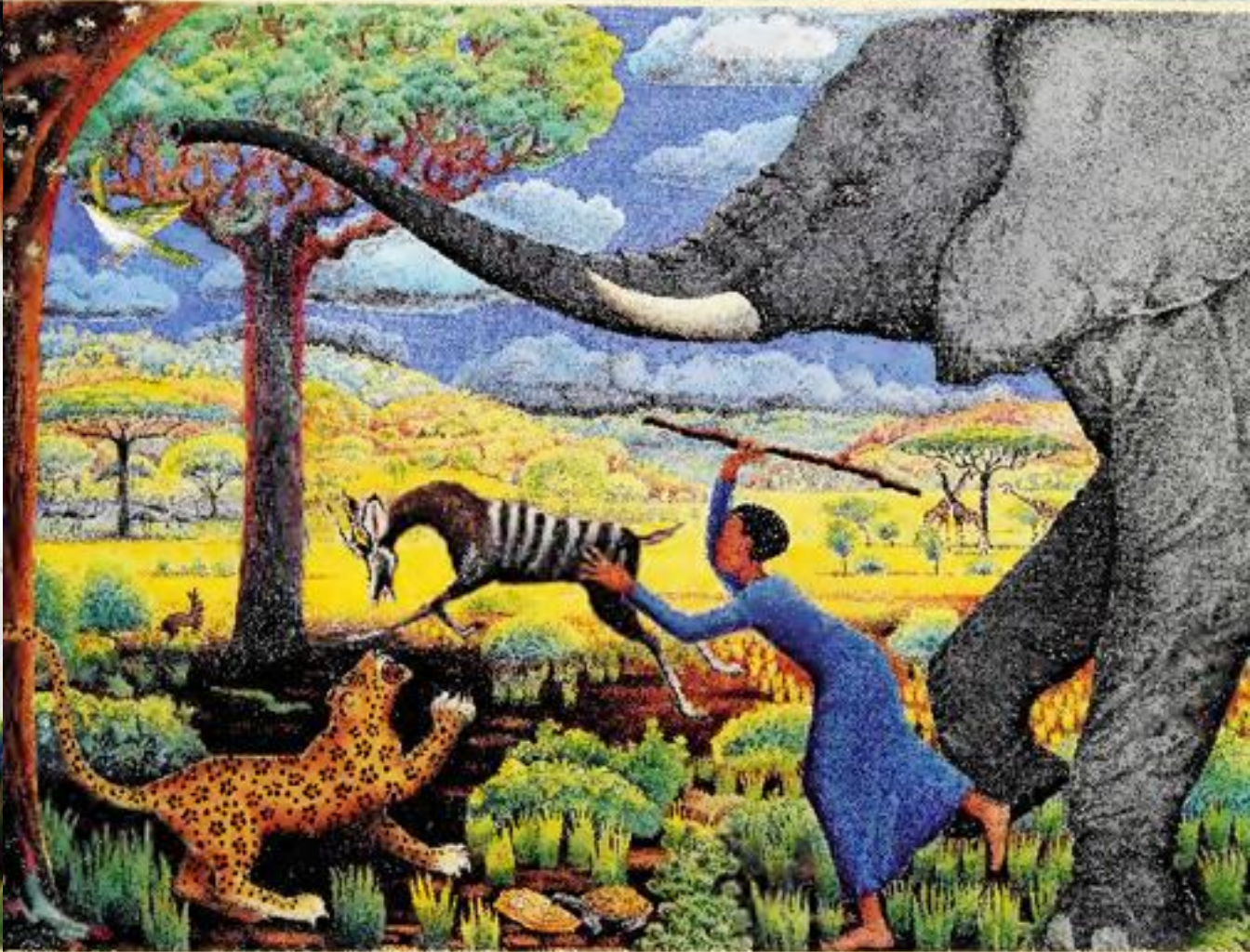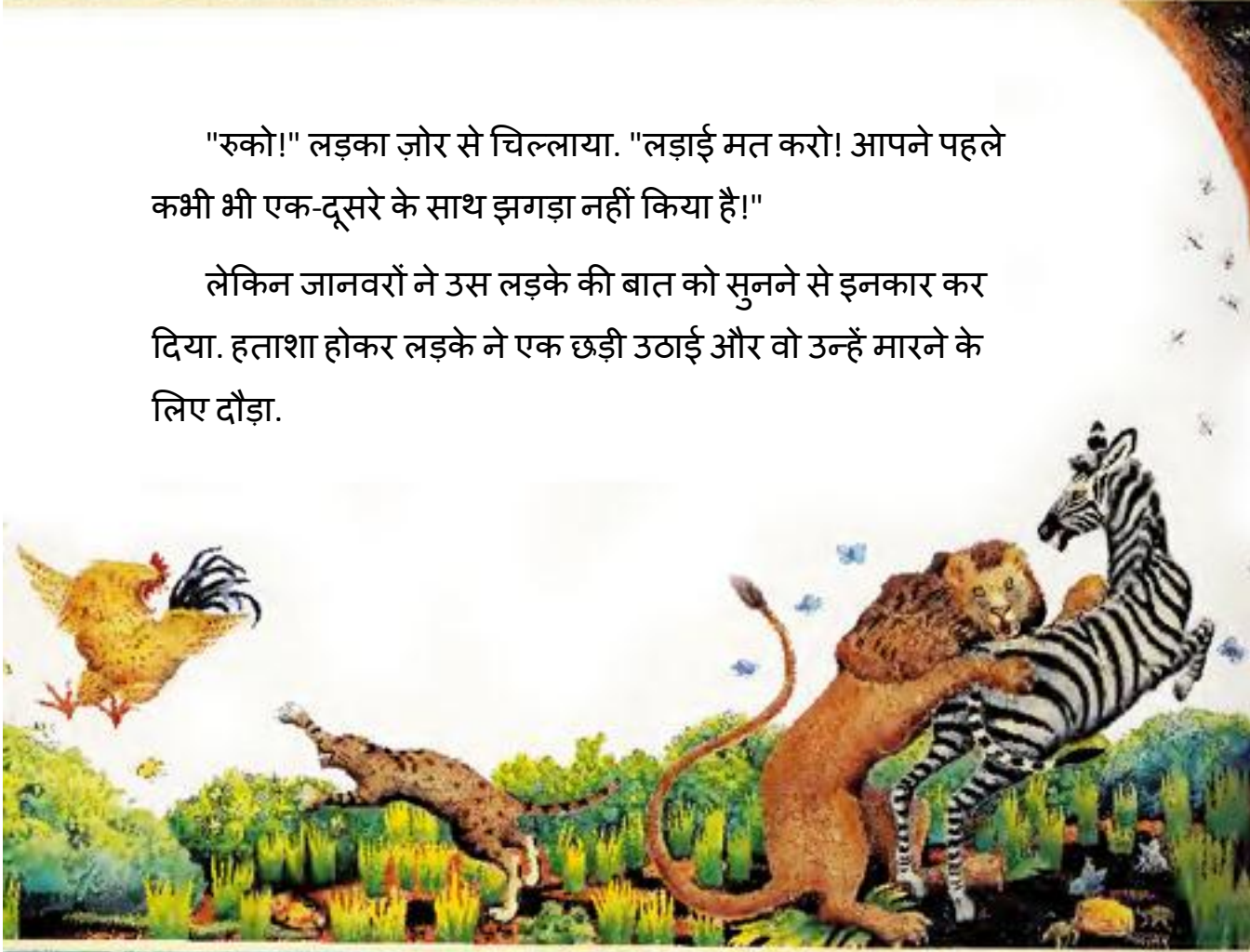
यह देखकर सभी जानवर चुप हो गए.

हाथी ने लड़के की ओर देखा और दुखी होकर कहा, "देखो जो नुकसान होना था वो हो चुका है. अब हम फिर कभी दोस्त नहीं बन सकते हैं. अब से मुर्गे, बिल्ली से लड़ेंगे; हिरन, तेंदुए से लड़ेंगे; और ज़ेबरा, शेर से लड़ेगा. और मैं, तुम और तुम्हारे लोगों से लड़ाई लड़ूंगा."
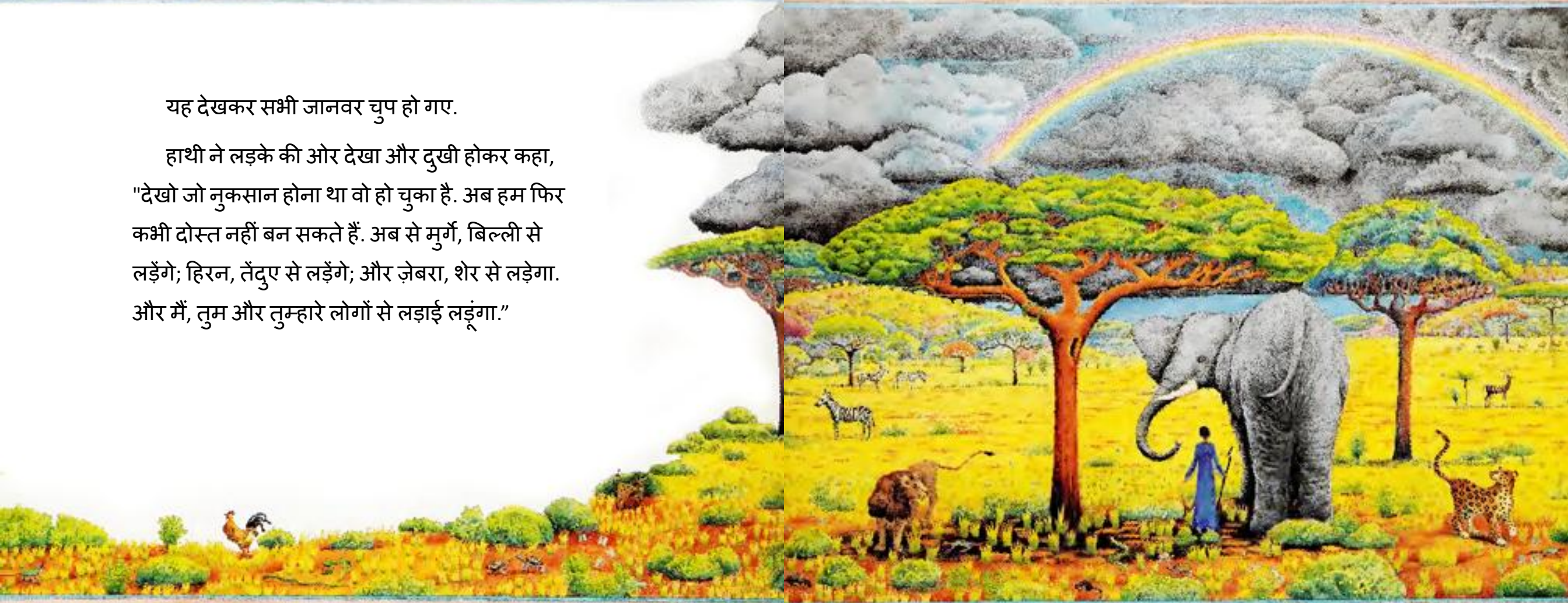
लेकिन शहद गाइड वाली चिड़िया अभी भी लड़के के हाथ पर शांति से बैठी थी. झाड़ी में उनके पास कई अन्य जानवर थे - गिलहरी और साही, उल्लू और चूहा, सांप और तितली, गुबरैला और घोंघा.

"चे, चे! चेका, चेका, चे!" शहद गाइड चिड़िया ने अपना गीत गाया, "अगर आप शहद चाहते हैं, तो मेरे पीछे आएं."

समाप्त